Homoeopathy

Affordable Wellness

Pure & Quick Natural Remedies

शुद्ध और शीघ्र प्राकृतिक उपचार

বিশুদ্ধ ও দ্রুত প্রাকৃতিক প্রতিকার

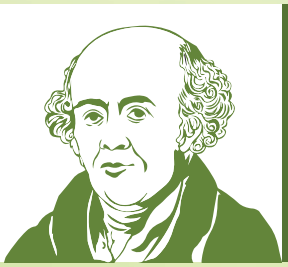

होम्योपैथिक विज्ञान की खोज जर्मन चिकित्सक
सैमुअल हैनिमैन
ने 1796 में "समानता के नियम " पर की थी।

- WHO के अनुसार होम्योपैथी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा प्रणाली है।
- होम्योपैथी का उपयोग दुनिया भर में 80 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा किया जाता है।
- भारत में लगभग 15% लोग होम्योपैथिक दवाओं का उपयोग करते हैं।
- यूरोप में लगभग 30% लोग होम्योपैथिक दवा का उपयोग करते हैं।
- होम्योपैथी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती चिकित्सा प्रणाली है। विश्व स्तर पर इसके 2020 से 2028 तक 14.3 % की दर से बढ़ने की उम्मीद है और भारत में और भी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है ।
- होम्योपैथी का प्रयोग 100 से अधिक देशों में किया जाता है। होम्योपैथी दुनिया में सबसे अधिक प्रचलित आयुष प्रणाली है।
- “राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग विधेयक, 2019” और ‘राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग विधेयक, 2019” पर डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने राज्यसभा में 18.03.2020 को यह भाषण दिया था।
  https://www.youtube.com/watch?v=fC8zPnza7nQ
- होम्योपैथिक दवाओं को, बिना किसी दुष्प्रभाव के, सबसे सुरक्षित माना जाता है।

केवल समर्पण फाउंडेशन

सीआईएन नंबर- U80101WB2019NPL232760

होम्योपैथी: प्रकृति का एक रहस्य

घरेलू उपचार

सीए रजनीश अगरवाल -मोबाइल 98313-14015

(25 साल से मेरी रुचि)

(मेरे स्वर्गीय पिता केवल कृष्ण अगरवाल की स्मृति को समर्पित)

डॉ वेद प्रकाश उपाध्याय, बी.एच.एम.एस.-(सी.यू.), कोलकाता द्वारा समीक्षित

पहला संस्करण : अप्रैल २०२२

(*सावधानी: इस मार्गदर्शक को डॉक्टर की सलाह से पालन करें*)

पंजीकृत कार्यालय: सुइट 4सी, चौथी मंजिल, 34ए मेटकाफ स्ट्रीट, कोलकाता-700013 फोन- 033 22119224
वेबसाइट www.kewalsamarpan.com ईमेल - rajneesh@racocal.com

नि: शुल्क पुस्तिका

सोहन राज सिंघवी

वसुंधरा, 2/7, सरत बोस रोड
पांचवी मंजिल, कोलकाता - 700 020 (भारत))

प्रस्तावना

10 अप्रैल, 2022

प्रति
निदेशक मंडल
केवल समर्पण फाउंडेशन
34ए मेटकाफ स्ट्रीट, चौथी मंजिल
कोलकाता-700013
प्रिय मित्रों

मुझे आपकी " घरेलू पथप्रदर्शक होम्योपैथी: प्रकृति का चमत्कार" शीर्षक के लिए यह भूमिका लिखते हुए खुशी हो रही है । होम्योपैथी हमारे परिवार में कोई नई बात नहीं है। बचपन से मैंने अपने पिता स्वर्गीय बछराज सिंघवी को लगभग हर दिन होम्योपैथी से कई लोगों की सेवा करते देखा है। उन्हें होम्योपैथी में बहुत विश्वास था और वे इन दवाओं के प्रबल समर्थक थे।

मैंने अपने निजी जीवन में अपनी पत्नी का चमत्कारी इलाज देखा है। उसे रूमेटोइड गठिया का गंभीर दौरा पड़ा, जिससे वह असहनीय दर्द से अचल हो गई। बहुत सारी दवाएं और यहां तक कि कोर्टिसोन (स्टेरॉयड) भी दिए गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हमेशा की तरह आखिरी विकल्प होम्योपैथी था और एक दोस्त के सुझाव पर मैंने एक होम्योपैथिक डॉक्टर को बुलाया। उसकी हालत को देखते हुए, उसने समझाया कि वह उसे सिर्फ एक खुराक देगा, यह देखने के लिए कि क्या वह 5-10% भी सुधरती है क्योंकि स्टेरॉयड के बाद, कभी-कभी, होम्योपैथिक दवाएं काम नहीं करती हैं। सौभाग्य से, वह अगली सुबह बेहतर महसूस कर रही थी और पूरा कोर्स पूरा करने के बाद वह पूरी तरह से ठीक हो गई थी और आश्चर्यजनक की बात है, आगे कोई पुनरावृत्ति नहीं हुई थी।

एक और चमत्कार जो मैं कभी नहीं भूल सकता, वह यह है कि लगभग 20-30 साल पहले मेरे सिर के पिछले हिस्से में हर महीने 3 दिनों तक चक्रीय सिरदर्द होता था और दर्द निवारक ही एकमात्र उपाय था। होम्योपैथी द्वारा अपनी पत्नी के इलाज के बाद, मैंने एक होम्योपैथ से परामर्श किया, एक महीने तक दवाएँ लीं और उसके बाद कोई सिरदर्द नहीं हुआ। ये दो अजूबे मेरी याददाश्त से कभी नहीं मिटाए जा सकते।

संक्षेप में, होम्योपैथिक दवाएं सुरक्षित, रुचिकर, गैर-विषाक्त और ग्रहण करने में आसान हैं। वे सस्ती भी हैं, आसानी से उपलब्ध हैं और कई बीमारियां स्थायी रूप से ठीक हो जाती हैं।

एलोपैथिक दवाएं महंगी हैं और गरीब लोगों की पहुंच से बाहर हैं। इसके अलावा, कभी-कभी उनका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जागरूकता फैलाना और ऐसा केंद्र खोलना राष्ट्र की महान सेवा है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,
Sohan Raj Singhvi
(सोहन राज सिंघवी)

फोन: 2475-0866/0697/0625 (सीधा) 2474-6754, मोबाइल:9830040562
फैक्स: 91-33-2475-8906, आवासीय: 2287-3218/7068, ईमेल: sohansinghvi@gmail.com

भूमिका

पुनर्जन्म, कर्म, भाग्य और जीवन के ऐसे असंख्य रहस्य बचपन से ही मुझ में कौतूहलता जगाती रही है और मेरा जीवन अप्रत्याशित घटनाओं से भरा रहा। मेरा मानना है कि हम सभी एक ही नाव में सवार हैं और अक्सर ऐसे प्रश्नों से घिरे रहते हैं जैसे:

1. मैं कौन हूं और कहां से आया हूं?
2. क्या मेरा पिछला जन्म था और अगला जन्म भी होगा?
3. मेरा कर्म और मेरा भाग्य क्या है?
4. मेरा जन्म एक निश्चित समय पर निश्चित स्थान और निश्चित परिवार में क्यों हुआ?
5. मेरा धर्म और जाति मेरे जन्म से निर्धारित होने की बजाए मेरे कर्म से क्यों निर्धारित नहीं होती?
6. नींद में सपनों में हम क्यों कभी-कभी भविष्य की घटनाओं को देख पाते हैं और वह सच होती है?
7. हमारे विचारों और सपनों का स्रोत क्या है?
8. संसार में हमेशा युद्ध क्यों लगा रहता है?
9. क्या जीवन का लक्ष्य सिर्फ कमाना, खर्चना और धन इकट्ठा करना ही है?
10. हमारी शिक्षा का पाठ्यक्रम हमें जीवन का ज्ञान क्यों नहीं देती है?

आज की दुनिया में धन और उपभोग की अंतहीन दौड़ लगातार इन सवालों को पृष्ठभूमि में धकेलती है। निकट मृत्यु के अनुभव से बचने के बाद ये प्रश्न पहले से कहीं अधिक तीव्र हो गए हैं और मैंने निश्चय किया कि जिंदगी की सबसे बड़ी उपलब्धि मात्र मानव सेवा ही हो सकती है, एक साधक के रूप में, और मैं इस प्रयास में लग गया ।

1987 में एक निश्चित अवसर पर मैंने एक अपरिचित आंतरिक आवाज की अभीभूति हुई जो अज्ञात शब्दों में और एक अज्ञात स्वर में बोलती थी। इसी तरह 1991 में एक बार ध्यान करते समय मुझे एक बिजली जैसा झटका लगा और मेरे चेहरे पर खून उतर आया, एक ऐसी घटना जो मुझे बहुत बाद में समझ में आई कि यह शरीर के बाहर यात्रा करने और अचानक झटके के साथ वापस लौटने के कारण थी। इसी तरह 1994 में मैंने कुछ सपने देखे और कुछ ही महीनों में उन्हें घटित होते हुए देखा । मैंने ऐसे कई सपने देखे हैं और अक्सर सोचता हूं कि ये कैसे संभव हैं। इस तरह की घटनाओं ने मुझे जीवन के रहस्यों के बारे में और गहराई से सोचने और विभिन्न लेखकों द्वारा उनके अनुभवों से सीखने के लिए किताबें पढ़ने के लिए मजबूर किया। 2015 में मैंने ज्योतिष का पहला अनुभव हुआ जब मैंने अपने चाचा से अपने जन्म का समय जाना और कुछ लोगों से मुलाकात की जिन्होंने ग्रहों की स्थिति के आधार पर मेरे अतीत और भविष्य के बारे में सटीक रूप से बताया । इनमें से अधिकांश घटनाएं सच हुईं और इस क्रम ने मुझे हमारे जीवन को नियंत्रित करने वाली शक्तियों में और भी अनेक अज्ञात शक्तियों का पता लगाने के लिए प्रेरित किया.

जन्म के समय सूर्य, चंद्रमा, ग्रह, तारे आदि की ब्रह्मांडीय ऊर्जा की गणितीय रूप से गणना की जाती है और सहज रूप से आपके अतीत, वर्तमान और भविष्य (यहां तक कि पिछले और भविष्य के जन्मों) की व्याख्या की जाती है। ज्योतिष का पूरा विज्ञान जन्म के समय ग्रहों की स्थिति पर निर्भर रहता है और उनकी बदलती स्थिति व्यक्ति पर उनके बदलते प्रभावों को दर्शाती है। हम में से कई लोगों को ज्योतिषीय भविष्यवाणियों की सत्यता का अनुभव हुआ है ।

मुझे लगता है कि "वसुदेव कुटुम्बकम" का हमारा प्राचीन ज्ञान एक अदृश्य ब्रह्मांडीय इंटरनेट को परिभाषित करता है जहां हमारी सभी आत्माएं एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं जो हमारे जीवन को बाहरी दुनिया में "वर्ल्ड वाइड वेब" इंटरनेट की तरह अज्ञात तरीके से चलाती है ।आंतरिक दुनिया का ब्रह्मांडीय इंटरनेट बहुत आगे तक जाता है और इसकी खोज

कठिन, आकर्षक और अंतहीन है। यह हमारे जीवन में कई स्पष्ट और रहस्यमई घटनाओं की भी व्याख्या करता है। इसका हमारे शास्त्रों में भी व्यापक वर्णन है लेकिन आधुनिक दुनिया विज्ञान की आड़ में इन्हें नकार ती है।

ब्रह्मांड यात्रा, जमीन से ऊपर उठना, असाधारण दृष्टि, भविष्य के सपने, पूर्वाभास, टैलिपैथी, समय यात्रा (अतीत और भविष्य में), शरीर से बाहर यात्रा, पुनर्जन्म (पिछले जन्म की स्मृति), ज्योतिष, अंक ज्योतिष द्वारा भविष्यवाणी, रहस्यमय विज्ञान, मंत्र, तंत्र, चक्र, पीनियल/पिट्यूटरी ग्रंथियां, तीसरी आंख, मुद्रा, एक्यूपंक्चर, एक्यूप्रेशर, प्राणिक उपचार, रेकी, वास्तु, फेंग शुई, रंग और रत्न, चुंबक आदि सभी संसार में मौजूद है और सत्य हैं; और अक्सर अनुभव किए जाते हैं लेकिन अधिकांश लोगों के लिए यह रहस्य हैं क्योंकि अब हम आधुनिक जगत के माया में डूबे हैं । ऐसी शक्तियाँ गहन ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं जो हमारी सूक्ष्म इंद्रियों को प्रकृति से गहरे स्तर पर जोड़ने के लिए सक्रिय करती हैं। एक निःस्वार्थ एवं सहज व्यक्ति ही ऐसी अलौकिक शक्तियों को प्राप्त कर सकता है और उन्हें बनाए रख सकता है।

जब मैं अपने जीवन के 62 वर्षों को देखता हूं तो मुझे ऐसा लगता है कि मैं अपने जीवन से ही बिल्कुल अजनबी हूं। जबकि मुझे हमेशा लगता था कि मैं ही सब कर रहा हूं लेकिन हकीकत में वो सब हो रहा था और अगर यह अतीत का सच था तो यह वर्तमान और भविष्य के बारे में भी सच है।

हमारे सभी शास्त्र हमें सिखाते हैं कि आत्मा अमर है और पृथ्वी पर इस जीवन में यह शरीर उसका अस्थायी निवास है। जैसे की हम घर में रहते हैं और घर इंसान को आश्रय देता है, वैसे ही आत्मा शरीर में रहती है और शरीर आत्मा को आश्रय देता है।

मित्रों, मेरी धारणा में, हम सभी इस भौतिक दुनिया के मंच पर मात्र एक अभिनेता हैं और हमें ब्रह्मांडीय इंटरनेट के माध्यम से ब्रह्मांडीय दुनिया के साथ अपनी आत्माओं के संबंध को लगातार मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए।

सीए रजनीश अग्रवाल

10 अप्रैल, 2022

आभार

मैं अपने भाई श्री महेश राज सिंघवी के योगदान को गहरी भक्ति और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करता हूं जिनके निरंतर योगदान, मार्गदर्शन और समर्थन के बिना यह यात्रा शुरू नहीं होती।

मैं अपनी बहन मंजुला माहेश्वरी को भी धन्यवाद देता हूं जो चट्टान की तरह मेरे साथ खड़ी रहीं और इस प्रकाशन का हिंदी अनुवाद करने में भी मदद की। समाज की सेवा के लिए उनकी निस्वार्थ भक्ति और पवित्रता मुझे आज भी प्रेरित करती है।

मैं अपने स्कूल के दोस्त अनिल सेठिया को धन्यवाद देता हूं, जिनका आजीवन समर्थन, शांत सादगी और आत्मा की खोज का निरंतर प्रयास मेरे लिए बहुत मूल्यवान रहा ।

मैं स्वपन भट्टाचार्य को धन्यवाद देना चाहता हूं, विज्ञान कि एक विलक्षण प्रतिभा, जिनका प्रकृति की खोज में निरंतर विश्वास मुझे प्रेरित करता है।

मैं हमेशा मैं मेरे पिता तुल्य और आजीवन रोल मॉडल श्री रमेश माहेश्वरी का आभारी रहता हूं, जो अपने अपार ज्ञान, चरित्र और अनुभव से मेरा मार्गदर्शन करते रहते हैं।

डॉ वी पी उपाध्याय के ना होने से यह पुस्तिका संभव नहीं होती, जिन्होंने न केवल मेरी जान बचाई बल्कि मुझे निःस्वार्थ सेवा का वास्तविक अर्थ अपने कर्म से दिखाया है। वह स्वामी विवेकानंद ने जो कहा, उसका एक जीवंत उदाहरण है " सभी पूजा का सार यह है - शुद्ध होना और दूसरों का भला करना। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारों में शिव को देखता है, वह वास्तव में शिव की पूजा करता है। "

मैं अपने योग और फिजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञ श्री देब कुमार दास को भी धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने अपने फुर्तीले हाथों और असाधारण कौशल से मेरे शरीर के हर हिस्से का अथक पुनर्निर्माण किया।

मैं अपनी बहन अलका अग्रवाल, अपने करीबी दोस्तों प्रदीप छावछरिया, अनिल झुनझुनवाला, संदीप फोगला, दिनेश अग्रवाल, अशोक माहेश्वरी, सुरेंद्र दुगर और कई अन्य लोगों को मेरे जीवन में उनके अथक समर्थन और योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं।

अंत में, मैं पाठकों को इस प्रकाशन से रुचि लेने और लाभ उठाने के लिए धन्यवाद देता हूं।

विषय सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ सं
1	हमारी टीम	35
2	हमारे समर्थक और प्रेरक	36
3	हमारे अनंत कालीन शिक्षक	37
4	वास्तविक जीवन का होम्योपैथी का चमत्कार- सीए रजनीश अगरवाल	38
5	प्रकृति, आयुर्वेद, होम्योपैथी और आधुनिक विज्ञान	39
6	होम्योपैथी दवाएं, जड़ी-बूटियां और रसोई घर में मसाले	42
7	होम्योपैथी घरेलू किट और प्रकृति से स्रोत	43
8	होम्योपैथी घरेलू किट और कुछ चुने हुए लक्षण	44
9	होम्योपैथी घरेलू किट,सामान्य रोग और उपचार	47
10	खुराक, अवधि और शक्ति	49
11	सिद्धार्थ- एक भारतीय कथा	50
	चित्रण	
1	होम्योपैथी होम किट और प्रकृति से स्रोत	80
2	होम्योपैथी दवा निर्माण प्रक्रिया	83
3	होम्योपैथी से ठीक हुआ घातक संक्रमण - सीए रजनीश अगरवाल	84
4	होम्योपैथी द्वारा कुछ चमत्कारी इलाज	85

होम्योपैथी ऊर्जा को स्वस्थ करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है

हमारी टीम

निर्देशक मंडल

नाम	पद
श्री रमेश माहेश्वरी	अध्यक्ष और निर्देशक
श्री रजनीश अगरवाल	प्रमुख निर्देशक
श्री महेश राज सिंघवी	निर्देशक और वरिष्ठ सलाहकार
श्री कुंदन मल सेठिया (अनिल)	निर्देशक और सलाहकार
श्री स्वपन भट्टाचार्य	निर्देशक और सलाहकार

विशेषज्ञ

डॉ. वेद प्रकाश उपाध्याय	सलाहकार-होम्योपैथी
श्री देब कुमार दास	सलाहकार-फिजियोथेरेपी और योग
सुश्री मंजुला माहेश्वरी	सलाहकार-ध्यान एवं मुख्य स्वास्थ्य संयोजक
सुश्री अलका अग्रवाल	सलाहकार-शिक्षा

सहायक

श्री डी डी गुप्ता (राजू)	वित्त
श्री सुरेश केजरीवाल	अग्रवाल केजरीवाल एंड कंपनी - चार्टर्ड अकाउंटेंट (स्टेट्यूटरी ऑडिटर)

निर्माणाधीन समाज सेवा केंद्र

53 सरदार शंकर रोड, कोलकाता-700 029

हमारे प्रख्यात समर्थक और प्रेरक

नाम	उपलब्धि
श्री राम निरंजन बाजोरिया	वरिष्ठ कानूनी सलाहकार
श्री जयंती प्रसाद खेतान	वरिष्ठ कानूनी सलाहकार
श्री परितोष सिन्हा	वकील और सॉलीसीटर
श्री मोहम्मद जहांगीर	शिक्षाविद् (सैफी हॉल)
श्री सोहन राज सिंघवी	सामाजिक कार्यकर्ता और उद्योगपति
डॉ ब्रोजेन गोगोई	उपाध्यक्ष और मुख्य संयोजक -टाटा मेडिकल सेंटर
श्री संदीप फोगला	निदेशक-साई सल्फोनेट्स प्राइवेट लिमिटेड
श्री सुरेंद्र कुमार दुगर	एमडी-पीएस ग्रुप
श्री अनिल झुनझुनवाला	एमडी-जेजे ऑटोमोटिव लिमिटेड- (बंगाल हुंडई)
श्री अशोक माहेश्वरी	चार्टर्ड एकाउंटेंट
श्री दिनेश अग्रवाल	चार्टर्ड एकाउंटेंट
श्री हितेश डी. गजारिया	चार्टर्ड एकाउंटेंट
श्री तुहिन अरविंद पारिख	सीनियर एमडी-ब्लैकस्टोन रियल एस्टेट
श्री चेतन दलाल	चार्टर्ड एकाउंटेंट
और हमारे असंख्य शुभचिंतक	

हमारे अनंत कालीन शिक्षक

नाम	शिक्षा
आचार्य रजनीश (ओशो) (भारत)	अध्यात्म और जीवन की माया
रूमी (पर्शिया-ईरान)	अध्यात्म और सूफी संस्कृति
डॉ. सैमुअल हैनिमैन (जर्मनी)	होम्योपैथी के संस्थापक
मसारू इमोटो (जापान)	जल में चेतना
ल्यूक मॉन्टैग्नियर (फ्रांस) (नोबेल-वायरोलॉजी)	जल स्मृति
डॉ बी एम हेगड़े (भारत) (पद्म विभूषण)	स्वास्थ्य, चिकित्सा और सत्य
राजीव दीक्षित (भारत)	हमारी स्वर्णिम संस्कृति
हरमन हेसी (जर्मनी) (नोबेल-साहित्य)	बौद्ध धर्म का सार
लोबसंग रंपा (यूके)	बौद्ध धर्म का रहस्यवाद
रिचर्ड पी. फेनमैन (यू एस ए) (नोबेल-भौतिकी)	सीखना और जीने की खुशी
जूलियन असांज (ऑस्ट्रेलिया) (विकिलीक्स)	सत्य के लिए मौत को गले लगाना
एरिक वॉन डैनिकेन (स्विट्जरलैंड)	पुरातत्व और पृथ्वी से बाहर जीवन
लियोनार्डो दा विंसी विंची (इटली)	विज्ञान, कला और भविष्य दृष्टि
जूले वर्ण (फ्रांस)	लंबे समय की भविष्य दृष्टि
सर आर्थर कॉनन डॉयल (यूके)	सजगता और सूझ भूझ
# और भी अनगिनत #	

वास्तविक जीवन का होम्योपैथी का चमत्कार

सीए रजनीश अगरवाल

1. गिरने से दाहिने पैर में हल्का फ्रैक्चर हुआ और उसे ठीक करने के लिए तार डाला गया (जुलाई 2015)
2. कुछ दिनों में दिल का दौरा पड़ा और ट्रिपल बायपास हुआ, 7 दिन बेहोशी में रहा और बेहोशी में कई रहस्यमई दुनियाओं के अनुभव हुए ।
3. पैर की सर्जरी और नसों को हटाने के कारण दोनों पैर पूरी तरह से नाकाम हो गए।
4. दाहिना पैर संक्रमित और महीनों तक मवाद बहना और घाव ठीक न होना।
5. दवाइयों से किडनी कमजोर हो गई, शरीर में पानी भर गया और शरीर फूल गया
6. फेफड़ों में पानी के कारण लगातार सांस फूलने लगी फेफड़ों से पानी बार बार निकाला गया।
7. कैथेटर और फिर मूत्र निकालने के लिए मूत्राशय में एक सीधा पाइप डाला गया ।
8. दवाइयों के कारण मुंह में छाले होने की वजह से महीनों तक कुछ खाया नहीं गया।
9. 7 महीने अस्पतालों में अंदर बाहर करता रहा । कोलकाता, दिल्ली और गुड़गांव ।
10. संक्रमण लगभग सभी एंटीबायोटिक दवाओं से प्रतिरोधी बन गया।
11. स्किन ग्राफ्टिंग भी असफल रही।
12. दाहिने पैर को काटने की सलाह दी गई । पैर काटने से फिर से दिल का दौरा पड़ने की आशंका।
13. डॉक्टरों ने घोषणा की कि उनके पास कोई दूसरा इलाज नहीं है और बचने की कोई संभावना नहीं है। अस्पताल से बाहर चले आए, सभी दवाएं बंद कर दीं (हृदय को छोड़कर) (फरवरी 2016)
14. पुराने अनुभव और विश्वास के कारण होम्योपैथिक का सहारा लिया । होम्योपैथी और फिजियोथेरेपी शुरू की (फरवरी 2016)
15. संक्रमण ठीक होने लगा और होम्योपैथी और फिजियोथेरेपी से पूरी तरह ठीक हो गया।
16. अक्टूबर 2018 से सामान्य जीवन फिर से शुरू किया **दूसरा जीवन देने वाला चमत्कार**
17. होमियोपैथी से पहले इन बिमारियों से स्थायी रूप से मुक्ति मिली है ।
    - दीर्घकालीन सोरायसिस, (2011)
    - दीर्घकालीन बवासीर/पाइल्स, (2011)
    - दीर्घकालीन साइनोसाइटिस, (2011)
    - बढ़े हुए प्रोस्टेट (2012)
    - ट्यूबरक्लोसिस (2012)

(*विस्तृत जानकारी और चित्र आखिर में*)

प्रकृति, आयुर्वेद, होम्योपैथी और आधुनिक विज्ञान

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत्!

वृहदारण्यक उपनिषद् की इस प्रार्थना में मंगल कामना की गई है कि समस्त विश्व में सभी सुखी होवें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी का जीवन मंगलमय बनें और कोई भी दुःख का भागी न बने हमारा शरीर हमें ईश्वर का दिया हुआ अनमोल वरदान है जो धीरे धीरे आयु के साथ क्षीण होता जाता है | हमारे शरीर पर हमारी जीवनशैली और मन का बहुत प्रभाव पड़ता है जिसके कारण हमारी रोगों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता घटती जाती है | लेकिन ऐसा नहीं है कि हम अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा नहीं सकते | हमारे शरीर और मन में परा और अपरा शक्तियों का निवास होता है जिसे संतुलित रख कर हम अपने शरीर को रोगमुक्त रख सकते हैं ! अपने शरीर को जानने के लिए हमें अपनी समग्र चेतना को जानना भी आवश्यक है जिसके आधार पर ही हम उपयुक्त चिकित्सा पद्धति को अपना कर स्वयं को रोगमुक्त रख सकते हैं | इस विषय में मैं आप सबके समक्ष कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अपने विचार प्रस्तुत करना चाहूँगा |"

1. जीवन की व्यख्या शब्दों से परे है। भावना, दर्द, आनंद, स्वाद, गंध, ध्वनि, स्वर आदि सभी को शब्दों में समझाया नहीं जा सकता है, उन्हें अनुभव करना पड़ता है, जैसे आम का स्वाद जानने के लिए उसे खाना पड़ता है और स्वाद लेना पड़ता है। इसी तरह, जीवन को हम में से प्रत्येक व्यक्ति एक अनोखे तरीके से महसूस करता है और यह शब्दों से परे है। फिर भी हमारे लिए शब्द ही एक मात्र साधन हैं। इसलिए, मैं यहां अपनी कुछ धारणाओं को यथासंभव शब्दों में साझा करने का प्रयास कर रहा हूं!

2. हम तीन स्तरों पर मौजूद हैं: शरीर, मन (चेतन/अचेतन) और आत्मा (गतिशील ऊर्जा, चेतना, प्राण)। हमें उन्हें अलग करना मुश्किल लगता है लेकिन कहा जाता है कि 700 ऊर्जा बिंदु (7 चक्रों में से प्रत्येक के 100 अंक) हमारे शरीर को हमारे मन और आत्मा से जोड़ते हैं । कई प्राचीन प्रथाएं इन कनेक्टर्स को सक्रिय करके हमारे शरीर, मन और आत्मा के बीच लय को सिंक्रनाइज़ करके हमारी रोग निरोधक क्षमता को प्रभावित करती हैं। यह भी अच्छी तरह से समझा जाता है कि ज्यादातर बीमारियां मन में शुरू होती हैं और परिवार, दोस्त, हंसी ये सब मन के लिए प्राकृतिक रोगनिवारक हैं।

3. सच्चे संतों को उनके मस्तक पर एक आभा मंडल के साथ चित्रित किया जाता है, जो कि एक अत्यधिक शक्तिशाली ऊर्जा क्षेत्र है। यह उनकी आत्मा की शुद्ध और शक्तिशाली गतिशील ऊर्जा को दर्शाता है। उनके स्पर्श/आशीर्वाद मात्र से, उनकी उच्च वोल्टेज गतिशील ऊर्जा हमारी कमजोर ऊर्जा के संपर्क में आती है और तुरंत हमें ठीक करने के लिए हमारे ऊर्जा प्रवाह को रिचार्ज और पुनर्स्थापित करती है। हम में से कई लोगों ने कुछ पूजा स्थलों में भी ऐसी ऊर्जा महसूस की है।

4. गतिशील ऊर्जा के ये क्षेत्र हमेशा विभिन्न परंपराओं में मौजूद रहे हैं, जैसे पेड़ों (तुलसी, पीपल-बोधि आदि) से प्रार्थना करना, पीने के पानी के घड़े की प्रार्थना करना, खाने से पहले देवताओं को भोजन देना, पूर्वजों को खिलाना, बहुत से अनुष्ठानों के लिए चंद्र चक्रों और ब्रह्मांडीय चक्रों का अनुसरण करना । ये प्राचीन प्रथाएं हमारे शरीर, मन और आत्मा की लय की प्रकृति और ब्रह्मांड की गतिशील ऊर्जा के साथ उनके परस्पर प्रभाव पर आधारित हैं। हजारों वर्षों से जीवन इन प्रथाओं के आसपास विकसित हुआ है।

5. "जल" के बिना जीवन संभव नहीं है । प्रकृति में जल ही एकमात्र ऐसा तत्व है जो तीनों रूपों (ठोस, द्रव और गैस) में पाया जाता है। इसके अलावा, यह एकमात्र तत्व है जो ठंडा होने पर फैलता है। हमारा शरीर लगभग 70% पानी है और हमारे शरीर में पानी लगातार हमारी चेतना के साथ बातचीत कर रहा है। यह हमारे अच्छे और बुरे विचारों (ऊर्जा/कंपन) को ग्रहण कर लेता है जो उस व्यक्ति तक भी पहुंच जाते हैं जो हमारे द्वारा दिया गया पानी पीता है। पूरी मानवता पानी के लिए प्रार्थना करती है और सहज रूप से पवित्र जल के शुद्ध स्पंदनों में विश्वास करती है जो अक्सर बीमार को इलाज के रूप में दिया जाता है।

6. प्रकृति की छिपी शक्तियां पौधों, खनिजों, जानवरों के स्राव/जहर (आयुर्वेद, यूनानी), सूर्य की किरणों (रंग और रत्न चिकित्सा), ब्रह्मांडीय तरंगों और ध्वनियों (मंत्र, ध्यान और प्राणायाम) और कई अन्य तत्वों में मौजूद हैं । इनका मनुष्यों पर और अन्य जीवन रूपों पर भी बहुत बड़ा उपचारात्मक प्रभाव पड़ता है। सदियों से, मानवता ने चिकित्सा के विभिन्न पारंपरिक तरीकों के तहत इस तरह की चिकित्सा का अभ्यास किया है।

7. प्रकृति ने हमारी देखभाल करने के लिए पौधों, फलों और सब्जियों की प्रचुर आपूर्ति प्रदान की है और हमारी रसोई ही आयुर्वेदिक औषधियों का एक विशाल भंडार है। आयुर्वेदिक दवाओं में पौधों और खनिजों को हमारे पेट और आंतों में भोजन की तरह ग्रहण किया जाता है, और यह फिर रोग को ठीक करने के लिए हमारे यकृत (Liver) से रक्त प्रवाह में प्रवेश करता है। इसके लिए बहुत अधिक आहार अनुशासन और अन्य प्रतिबंधों की आवश्यकता होती है। इनमें से कई पौधों और खनिजों का स्रोत भी मुश्किल है और ये काफी महंगे हैं।

8. जल की अपनी चेतना होती है और उसमें घुले हुए प्राकृतिक पदार्थों की स्मृति बनी रहती है। जल स्मृति भौतिक रसायन विज्ञान की वर्तमान वैज्ञानिक समझ का खंडन करती है और आम तौर पर वैज्ञानिक समुदाय द्वारा स्वीकार नहीं की जाती है, भले ही हाल के वर्षों में मसारू इमोटो (जापान), ल्यूक मॉन्टैग्नियर (फ्रांस) (एचआईवी की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता) जैसे कई प्रसिद्ध शोधकर्ताओं द्वारा इस पर महत्वपूर्ण काम किया गया है**। यही वह तंत्र है जिसके द्वारा होम्योपैथिक उपचार काम करते हैं।** उनमें पदार्थ की छाप उस बिंदु तक पतला होने के बाद भी होती है, जहां मूल पदार्थ की कोई पहचान योग्य अणु उसमें नहीं रहता है।

9. **होम्योपैथी एक चिकित्सा विज्ञान के रूप में विकसित हुई है, जो *"सम समं समयति"* सिद्धांत पर आधारित है। इसका मतलब है कि जो तत्त्व एक स्वस्थ इंसान में कुछ लक्षण पैदा करने में सक्षम है वही तत्त्व (दवा), उस बीमारी को जो दूसरे इंसान में उन्ही लक्षणों को प्रदर्शित करती है, को ठीक करने में सक्षम है । समानता के इस नियम को सबसे पहले ग्रीक चिकित्सक, हिप्पोक्रेट्स (बी 460 ईसा पूर्व) द्वारा वर्णित किया गया था और कई संस्कृतियों द्वारा इसका उपयोग किया गया है, जिसमें माया, चीनी, यूनानी, रेड इंडियन और भारतीय शामिल हैं, लेकिन सैमुअल हैनीमैन (1755-1843), एक जर्मन चिकित्सक ने होम्योपैथी नामक एक व्यवस्थित चिकित्सा विज्ञान में 'समानता के नियम' को संहिताबद्ध किया।**

10. पिछले 200 वर्षों में होम्योपैथी दवा एक बहुत ही उन्नत और शुद्ध प्रणाली के रूप में विकसित हुई है, जिसमें दवा की अन्य प्रणालियों से जुड़े कोई प्रतिबंध और दुष्प्रभाव नहीं हैं। ज्ञात उपचारात्मक गुणों वाले वानस्पतिक पौधों और खनिजों को अल्कोहल में डुबोया जाता है और पहले उनके कंपन (आणविक स्मृति/ऊर्जा छाप) को

पकड़ने के लिए कई दिनों तक नियमित रूप से हिलाया जाता है जिसे बाद में एक पोटेंशिएशन या ट्रिट्यूरेशन प्रक्रिया द्वारा फ़िल्टर और पतला किया जाता है। यह ऊर्जा तब हमारे शरीर में होम्योपैथिक दवाओं (चूर्ण, गोलियां या बूंदों) के माध्यम से अवशोषित होती है। होम्योपैथिक दवाएं हमारी जीभ और कोमल ऊतकों से सीधे हमारे रक्तप्रवाह में प्रवेश करती हैं और हमारी प्राकृतिक लय को बहाल करने के लिए उपचारात्मक कंपन को ट्रिगर करती हैं और हमारे मन/ऊर्जा में बीमारी की उत्पत्ति को भी रोकती हैं।

11. आधुनिक विज्ञान के पास अभी तक होम्योपैथिक घोल में प्राकृतिक पदार्थों की छिपी आणविक स्मृति को देखने के लिए उपकरण नहीं हैं और यह अक्सर उन्हें प्लेसीबो घोषित करता है। लेकिन, वास्तविक जीवन में, यह इलाज इतना व्यापक और स्पष्ट है कि इसके लिए किसी वैज्ञानिक प्रमाण की आवश्यकता ही नहीं है। दिन-प्रतिदिन की कई बीमारियों के लिए तुरंत और जादुई परिणाम सभी के द्वारा देखे जाते हैं। इलाज में वहीं थोड़ा अधिक समय लगता है जहां लंबे समय तक दमन के कारण बीमारी, किसी की ऊर्जा में, गहराई तक चली गई हो ।

12. हमारा व्यवहार, शारीरिक लक्षण, प्यास, भोजन के विकल्प, विचार, सपने, घटना का समय, भावनाएँ आदि हमारे मन में असंतुलन को दर्शाते हैं। इन्हे ध्यान में समझा जाता है और फिर भीतर से चुनिंदा होम्योपैथिक दवाओं से ठीक किया जाता है और लक्षणों को कभी दबाया नहीं जाता है। कई लक्षणों के संयोजन का इलाज अक्सर केवल एक दवा से किया जाता है। होम्योपैथी की मूल अवधारणाएं कभी नहीं बदलती हैं।

एक दृष्टांत: *होम्योपैथी में, इग्नेशिया द्वारा शोक दशा के दु:ख को गहराई से आसानी से दूर किया जाता है। इसी प्रकार, एकोनाइट नैप से अचानक भय/सदमे से राहत मिलती है और शारीरिक/भावनात्मक चोट या आघात में अर्निका से राहत मिलती है। भय, सदमा या शोक के विभिन्न रूपों के लिए कई अन्य रूपांतर और उपचार हैं। लेकिन एलोपैथी में केवल ट्रैंक्विलाइज़र/ सीडेटिव होते हैं जो आपके शरीर की प्रतिक्रियाओं को कमजोर करते हैं और केवल थोड़े समय के लिए सुला देते हैं । यह कोई इलाज नहीं है।*

13. आधुनिक विज्ञान लगातार प्रकृति को समझने की कोशिश कर रहा है लेकिन यह खोज अंतहीन लगती है। आधुनिक विज्ञान प्रकृति का निर्माण नहीं कर सकता क्योंकि यह अभी तक प्रकृति की गहरी ऊर्जाओं/घटनाओं को नहीं जानता है। आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा ने मूल्यांकन, सर्जरी, दंत चिकित्सा, बेहोशी आदि जैसे कई उल्लेखनीय इलाज प्रदान किए हैं। जहरीले रसायनों के साथ लक्षणों के अस्थायी दमन की दिशा में इसके अभियान ने बीमारियों से भरी दुनिया को हमेशा के लिए सिंथेटिक रसायनों की खपत पर निर्भर कर दिया है। प्रकृति इन सिंथेटिक्स से लड़ती है और हमारा शरीर कमजोर और प्रतिरोधी हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः अंग विफलता और मृत्यु हो जाती है। यह चिकित्सा बहुत महंगी भी है और गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर है। इससे बहुत शोषण और भ्रष्टाचार भी हुआ है।

14. इसके अलावा अब एक "समग्र" अभ्यास बनाने के लिए प्राचीन और आधुनिक विज्ञान के विवेकपूर्ण मिश्रण की आवश्यकता है ताकि कई सहस्राब्दियों से विकसित ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा के कुछ पहलुओं के साथ जोड़ा जा सके और प्राकृतिक उपचार प्रक्रिया को संयोजित किया जा सके। समाज को होम्योपैथी द्वारा प्रदान किए जाने वाले कम खर्च, त्वरित, उपचारात्मक और प्रभावी उपचार की भी सख्त आवश्यकता है। समाज को बीमारी, जानलेवा विषाक्तता और आधुनिक चिकित्सा से होने वाली आर्थिक बर्बादी से मुक्ति मिलेगी।

" प्रकृति ही भगवान है, भगवान ही प्रकृति है "

होम्योपैथी दवाएं, जड़ी-बूटियां और रसोई घर में मसाले

क्रमांक	आयुर्वेद	अंग्रेज़ी	होम्योपैथी	वनस्पति विज्ञान
1	अदरक	जिंजर	जिंजिबर ओफ्फिसिनले	जिंजिबर ओफ्फिसिनले
2	अजवाइन	ब्लैक हेनबेन	ह्योसायमस नाइजर	ह्योसायमस नाइजर
3	एलोवेरा	एलोवेरा	एलो सोकोट्रिमा	एलो सोकोट्रिमा
4	आमला	एम्बेलिक मायरोबलन	एम्ब्लिका ऑफिसिनैलिस	फाइलेन्थस एम्ब्लिका
5	अर्जुना	अर्जुना	टर्मिनला अर्जुना	टर्मिनला अर्जुना
6	अशोक	अशोका	जानोसिया अशोका	सरका असोका
7	अश्वगंधा	अश्वगंधा	अश्वगंधा	अश्वगंधा
8	बेल	बेल	एगले मार्मेलोस	एगले मार्मेलोस
9	बहेड़ा	बेलेरिक मायरोबलन	टर्मिनलिया बेल्लिरिका	टर्मिनलिया बेल्लिरिका
10	छोटी इलायची	कारडैमोम	एलेटरिया कारडैमोम	अमोमम कारडैमोम
11	दालचीनी	सिनेमोन	सिनामोमम सीलनिकम	सिनामोमम वेरुम
12	धनिया	कोरिएंडर	कोरियनड्रम सतीवुम	कोरियनड्रम सतीवुम
13	धतूरा	थोर्न एप्पल	स्ट्रामोनियम	धतूरा स्ट्रामोनियम
14	गिलोय	टीनोस्पोरा	टीनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया	टीनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया
15	हल्दी	टरमरिक	करकुमा लोंगा	करकुमा लोंगा
16	हरड़	चेबूलिक मायरोबलन	टर्मिनलिया चेबुला	टर्मिनलिया चेबुला
17	हींग	ऐसाफोएटिडा	ऐसाफोएटिडा	फेरुला जैशकेना
18	इमली	टैमेरिंड	टैमेरिंडस इंडिका	टैमेरिंडस इंडिका
19	जामुन	इंडियन ब्लैकबेरी	साइज़ीगियम जंबुलानुम	सायजीजियम क्योंमिनी
20	काला जीरा	क्यूमिन सीड	निजेला सतीभा	निजेला सतीभा
21	काली मिर्च	ब्लैक पेपर	पीपर निग्रुम	पीपर निग्रुम एल
22	जो	बार्ली	होर्डियम वल्गारे	होर्डियम वल्गारे
23	लवंग	क्लोभ्स	सायजीजियम एरोमैटिकम	सायजीजियम एरोमैटिकम
24	मेहंदी	हिना	लॉसनिया इनर्मिस	लॉसनिया इनर्मिस
25	मेथी	फेनुग्रीक	ट्रिगोनेला फेनम	ट्रिगोनेला फेनम
26	नीम	मार्गोसा	अज़ादिराछा इंडिका	अज़ादिराछा इंडिका
27	पीपल	सैक्रेड फिग	फ़िकस रिलीजियोसा	फ़िकस रिलीजियोसा
28	पुदीना	मिंट	मेंथा पिपेरिटा	मेंथा पिपेरिटा
29	कुनैन	सिनकोना	सिनकोना ऑफीशियलिस	सिनकोना प्यूबसेंस
30	सगन गुड	बेल्लाडोना	बेल्लाडोना	एट्रोपा एक्यूमिनाटा
31	सरसों	मस्टर्ड	सिनापिस निग्रा	सिनापिस निग्रा
32	शतावरी	एस्परैगस	एस्परैगस ऑफीशियलिस	एस्परैगस रेसमोसस
33	सौंफ	फीनेल सीड	फोनीकुलम वल्गारे	फोनीकुलम वल्गारे
34	तुलसी	सैक्रेड बसील	ओसीमम सेंकटम	ओसीमम सेंकटम लिनन
35	वचनाग	एकोनाइटम	एकोनाइटम नेपेलस	एकोनाइटम स्पाइसीस

होम्योपैथी घरेलू किट और प्रकृति से स्रोत

	नाम	Name	शक्ति	श्रेणी	स्रोत
1.	एकोनाइटम नैप	Aconitum Nap	200	पौधा	मोहरी/ वचनाग
2.	एलियम सेपा	Allium Cepa	30	पौधा	प्याज
3.	एलो सोक	Aloe Soc	200	पौधा	घृत कुमारी
4.	एपिस मेल	Apis Mel	200	मक्खी	मधुमक्खी का विष
5.	अर्निका मोंटाना	Arnica Montana	30	पौधा	फूल
6.	आर्सेनिकम एल्बम	Arsenicum Album	200	खनिज	आर्सेनिक का सफेद ऑक्साइड
7.	बेल्लाडोना	Belladonna	200	पौधा	अंगूर शफा
8.	ब्रायोनिया	Bryonia	30	पौधा	जंगली हॉप बेल
9.	कैलेंडुला	Calendula	30	पौधा	गेंदा फूल
10.	कैंथारिस	Cantheris	30	मक्खी	स्पेनिश मक्खी विष
11.	कार्बो वेज	Carbo Veg	30	पौधा	लकडी का कोयला
12.	कैमोमिला	Chamomilla	30	पौधा	कैमोमिला फूल
13.	जेलसेमियम	Gelsemium	30	पौधा	पीली चमेली
14.	हाईपेरिकम	Hypericum	200	पौधा	चोली फूल
15.	इपीकाकुन्हा	Ipecacunha	30	पौधा	अंतमूल
16.	काली बाइक्रोम	Kali Bichrom	30	खनिज	पोटेशियम बाइक्रोमेट
17.	मर्क सोल	Merc sol	30	खनिज	पारा
18.	नक्स वोमिका	Nux Vomica	30	पौधा	कुचिला
19.	रस टॉक्स	Rhus Tox	200	पौधा	दशामूल
20.	रोबिनिया	Robinia	30	पौधा	पीले टिड्डे का पौधा
21.	रूटा जी	Ruta G	200	पौधा	सताप

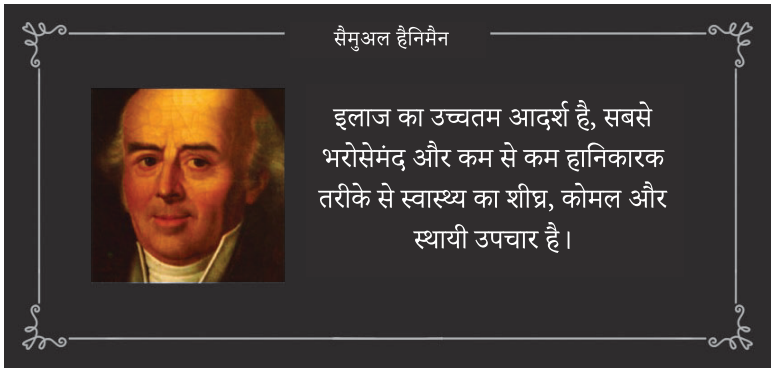

होम्योपैथी घरेलू किट और कुछ चुने हुए लक्षण

1. **एकोनाइटम नैप (मोहरी/ वचनाग)**
   - नाक बहना, सिर दर्द, बुखार सूखी, ठंडी हवाओं के संपर्क से (नवंबर से फ़रवरी)
   - शारिरिक ऐंठन, अचानक डर और बीमारी के तीव्र लक्षण
   - जन्म के झटके, पेशाब का रुक जाना

2. **एलियम सेपा (प्याज)**
   - बहुत छींक के साथ नाक और आंखों से पानी बहना

3. **एलो सोक (घृत कुमारी)**
   - पेट में गड़गड़ाहट के साथ पानी जैसा दस्त होना, मल के साथ वायु निकलना
   - अचानक वायु के साथ मल निकल आना

4. **एपिस मेल (मधुमक्खी का विष)**
   - कीड़े के काटने पर जलन और सूजन, चुभने वाला दर्द
   - निचली पलकों में सूजन

5. **अर्निका मोंटाना (गेंदा फूल)**
   - शारीरिक और मानसिक चोट और आघात
   - अचानक थकान, शरीर ऐसा महसूस होना मानो पिटाई हुई हो।
   - सर्जरी से पहले और बाद में भी दर्द से राहत मिलती है

6. **आर्सेनिकम एल्बम (आर्सेनिक का सफेद ऑक्साइड)**
   - संक्रमित भोजन खाना (फूड पॉइजनिंग) जी-घबराना, उल्टी और पतला दस्त
   - नाक से पानी बहना
   - बहुत ठंड लगना
   - बहुत प्यास लगने पर भी, बार बार घूँट घूँट पानी पीना

7. **बेल्लाडोना (अंगूर शफा)**
   - टॉन्सिल में सूजन और गले में चुभने वाला दर्द होना और कान में दर्द,
   - जकड़ा हुआ सिरदर्द के साथ बुखार,
   - ठंड के संपर्क में आने के कारण तेज़ बुखार, बिना प्यास के तेज बुखार
   - हवाई सफ़र में जी घबराना

8. **ब्रायोनिया (जंगली हॉप बेल)**
   - ललाट में भयंकर सिरदर्द और बुखार,
   - रात में ठंडी हवा के संपर्क में आने से मांसपेशियों का सख्त होना, बिस्तर में पड़े रहने जैसा एहसास होना,
   - शरीर में भारीपन का एहसास होना,
   - बहुत पानी पीना फिर भी प्यास अतृप्त रहना,
   - जब दिन गर्म और रातें ठंडी होती है।

9. कैलेंडुला (गेंदा फूल)

- चोट से त्वचा में खरोंच और कटना (होम्योपैथिक एंटीसेप्टिक)

10. कैंथारिस (स्पेनिश मक्खी विष)

- आग, धूप, उबलते पानी से जल जाना, छाले आदि से जलन
- पेशाब में जलन होना और पेशाब करने में कठिनाई
- कहीं भी जलन का एहसास होना

11. कार्बो वेज (लकडी का कोयला)

- अम्लता (एसिडिटी), खाना पचने में समय लगना और पेट की गैस,
- खट्टी डकार एवं पेट के उपरी भाग में भारीपन,
- भोजन के समय भूख लगती हैं, लेकिन पिछला भोजन पचा नहीं है,
- मल में बिना पचा हुआ भोजन निकलना ।
- प्रभावी पाचन और गैस की दवा , वायु के निकलने से आराम आता है
- सर्जरी के सदमे

12. कैमोमिला (कैमोमिला फूल)

- दांत आना, रोना, बिलखना, बच्चों को गोद में रहने की इच्छा होना।
- बच्चों और शिशुओं की दवा

13. जेलसेमियम (पीली चमेली)

- कनपटियों पे धड़कता सिरदर्द, सिर बैंड से बंधा हुआ महसूस होता हैं।
- बुखार के साथ गर्दन के निचले हिस्से, कंधे और रीढ़ की हड्डी में दर्द, पलकें भारी लगना
- रीढ़ में सुस्ती , बुखार और ठंड लगना
- हीट स्ट्रोक के लिए बहुत अच्छी दवा

14. हाईपेरिकम (चोली फूल)

- उँगलियों का कुचलना, नसों की चोट,
- गिरने से रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में चोट (कोक्सीक्स)
- सिर पर चोट से कन्वल्शन्स

15. इपीकाकुन्हा (अंतमूल)

- ठंडी हवाओं के संपर्क में आने के कारण बुखार होना, सिरदर्द होना, जी घबराना, उल्टी होना और उल्टी होने के बावजूद भी राहत नहीं मिलना।
- गर्भावस्था के समय में जी मचलना

16. काली बाइक्रोम (पोटेशियम बाइक्रोमेट)

- गाढ़ा रस्सी जैसा बलगम आना, जुकाम और कान का दर्द
- अंदर की ओर नाक बहना, रात में अतिरिक्त खाँसी आना
- बलगम का प्रवाह उल्टा होकर बाहर निकल जाता है

17. मर्क सोल (पारा)

- नाभी के आस पास गंभीर दर्द होना,
- मल के साथ खून निकलना
- अमोएबीएसिस
- बार बार मुंह में छाले/आँव होना

18. नक्स वोमिका (कुचिला)

- भोजन करने के बाद पेट में दर्द,
- देर रात जगे रहने के कारण अपच, कब्ज और दस्त बारी बारी से होना, अनियमित समय पर भोजन के कारण जी घबराना और उल्टी होना (अंतर्राष्ट्रीय यात्रा)
- ऐलोपेथिक दवा और अल्कोहल के असर को काटना
- पेट का हर्निया

19. रस टॉक्स (दशामूल)

- मांसपेशियों में दर्द या अकड़न, बुखार के साथ बदन दर्द, चलने पर आराम लगना, शाम को आराम महसूस करना।
- अचानक गर्मी से ठंड के संपर्क में आना।
- मांसपेशियों, टेंडन और लिगामेंट की चोट

20. रोबिनिया (पीले टिड्डे का पौधा)

- तीव्र खट्टापन (एसिडिटी)

21. रूटा जी (सताप)

- लिगामेंट, हड्डी और कार्टिलेज की चोट
- गिरने से चोट, शरीर का खरोच जाने (bruised) का एहसास होना।

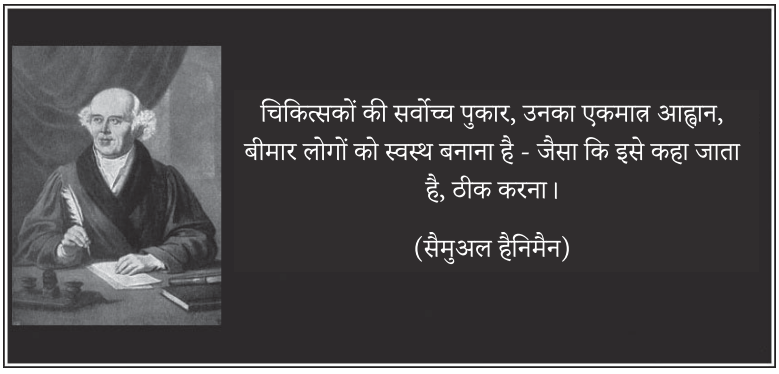

होम्योपैथी घरेलू किट, सामान्य रोग और उपचार

1. बुखार, सिरदर्द और बदन दर्द

- नाक बहना, सिर दर्द, बुखार सूखी, ठंडी हवाओं के संपर्क से (नवंबर से फ़रवरी) - **एकोनाइटम नैप**
- बहुत ठंड लगना , बहुत प्यास लगने पर भी, बार बार घूँट घूँट पानी पीना **-आर्सेनिकम एल्बम**
- जकड़ा हुआ सिरदर्द के साथ बुखार, ठंड के संपर्क में आने के कारण तेज़ बुखार, बिना प्यास के तेज बुखार - **बेल्लाडोना**
- ललाट में भयंकर सिरदर्द और बुखार, रात में ठंडी हवा के संपर्क में आने से मांसपेशियों का सख्त होना, बिस्तर में पड़े रहने जैसा एहसास होना, शरीर में भारीपन का एहसास होना, बहुत पानी पीना फिर भी प्यास अतृप्त रहना, जब दिन गर्म और रातें ठंडी होती है।**- ब्रायोनिया**
- कनपटियों पे धड़कता सिरदर्द, सिर बैंड से बंधा हुआ महसूस होता हैं, बुखार के साथ गर्दन के निचले हिस्से, कंधे और रीढ़ की हड्डी में दर्द, पलकें भारी लगना, रीड में सुस्ती , बुखार और ठंड लगना हीट स्ट्रोक के लिए बहुत अच्छी दवा **- जेलसेमियम**
- मांसपेशियों में दर्द या अकड़न, बुखार के साथ बदन दर्द, चलने पर आराम लगना, शाम को आराम महसूस करना। अचानक गर्मी से ठंड के संपर्क में आना। - **रस टॉक्स**
- कांटे जैसा सिरदर्द जैसे कील घुसाई जा रही है **-कॉफीया**
- दाहिनी ओर सिरदर्द **-सांगुइनारिआ कैन**

2. सर्दी और गले में दर्द

- नाक बहना, सिर दर्द, बुखार सूखी, ठंडी हवाओं के संपर्क से (नवंबर से फ़रवरी) **-एकोनाइटम नैप**
- बहुत छींक के साथ नाक और आंखों से पानी बहना **-एलियम सेपा**
- नाक से पानी बहना **- आर्सेनिकम एल्बम**
- टॉन्सिल में सूजन और गले में चुभने वाला दर्द होना और कान में दर्द, **- बेल्लाडोना**
- रस्सी जैसा बलगम आना, जुकाम और कान का दर्द अंदर की ओर नाक बहना, रात में अतिरिक्त खाँसी आना, बलगम का प्रवाह उल्टा होकर बाहर निकल जाता है - **काली बाइक्रोम**
- *पीला बलगम -**पलसाटिल्ला***
- *आंखो से पानी बहना -**इउफ्रासिया***

3. पेट दर्द, गैस, पेट फूलना, जी मिचलाना और उल्टी

- अचानक पेट में गड़गड़ाहट के साथ पानी जैसा दस्त होना, मल के साथ वायु निकलना वायु के साथ मल निकल आना**- एलो सोक**
- संक्रमित भोजन (फूड पॉइजनिंग) जी-घबराना, उल्टी और पतला दस्त **- आर्सेनिकम एल्बम**
- अम्लता (एसिडिटी), खाना पचने में समय लगना और पेट की गैस, खट्टी डकार एवं पेट के उपरी भाग में भारीपन, भोजन के समय भूख लगती हैं, लेकिन पिछला भोजन पचा नहीं है, मल में बिना पचा हुआ भोजन निकलना, वायु के निकलने से आराम- **कार्बो वेज**
- ठंडी हवाओं के संपर्क में आने के कारण बुखार होना, सिरदर्द होना, जी घबराना, उल्टी होना और उल्टी होने के बावजूद भी राहत नहीं मिलना। - **इपीकाकुन्हा**
- नाभी के आस पास गंभीर दर्द होना, मल के साथ खून निकलना**- मर्क सोल**
- भोजन करने के बाद पेट में दर्द, देर रात जगे रहने के कारण अपच, कब्ज और दस्त बारी बारी से होना, अनियमित समय पर भोजन के कारण जी घबराना और उल्टी होना (अंतर्राष्ट्रीय यात्रा)**- नक्स वोमिका**
- तीव्र खट्टापन (एसिडिटी) **- रोबिनिया**

4. चोट और आघात

- शारीरिक ऐंठन, अचानक डर और बीमारी के तीव्र लक्षण - **एकोनिटम नैप**
- शारीरिक और मानसिक चोट और आघात- **अर्निका मोंटाना**
- चोट से त्वचा में खरोंच और कटना (होम्योपैथिक एंटीसेप्टिक)- **कैलेंडुला**
- आग, धूप, उबलते पानी से जल जाना, छाले आदि से जलन - **कैंथारिस**
- सर्जरी के सदमे -**कार्बो वेज**
- उँगलियों का कुचलना, नसों की चोट, गिरने से रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में चोट (कोक्सीक्स), सिर पर चोट से कन्वल्शन्स – **हाईपेरिकम**
- मांसपेशियों, टेंडन और लिगामेंट की चोट-**रस टॉक्स**
- लिगामेंट, हड्डी और कार्टिलेज की चोट, गिरने से चोट, शरीर का खरोच जाने (bruised) का एहसास होना।- **रूटा जी**
- *फ्रैक्चर- **केल्केरीया फोस और सिमफाइटम***

5. बच्चों और शिशुओं की दवा

- जन्म के झटके, पेशाब का रुक जाना, जननांग का खुजलाना -**एकोनिटम नैप**
- कीड़े के काटने पर जलन और सूजन, चुभने वाला दर्द - **एपिस मेल**
- टॉन्सिल में सूजन और गले में चुभने वाला दर्द होना और कान में दर्द- **बेल्लाडोना**
- दांत आना, रोना, बिलखना, बच्चों को गोद में रहने की इच्छा होना। बच्चों और शिशुओं की दवा -**कैमोमिला**
- *पेट के कीड़े -**सिना***
- *कॉर्न्स - **एंटीम क्रूड***
- *बार बार बिस्तर गीला करना -**एक्वीसेतुम हयेमाले***
- *दाँत निकलने के समय लूज़ मोशन -**पोडो फाइलम***
- *गैस और पेट में कोलिक दर्द -**सेन्ना***

6. कुछ आम उपचार

- शारीरिक ऐंठन, जन्म के झटके, पेशाब का रुक जाना, अचानक डर और बीमारी के तीव्र लक्षण - **एकोनाइटम नैप**
- कीड़े के काटने पर जलन और सूजन, चुभने वाला दर्द, निचली पलकों में सूजन -**एपिस मेल**
- अचानक थकान शरीर ऐसा महसूस होना, मानो पिटाई हुई हो, सर्जरी से पहले और बाद में भी दर्द से राहत मिलती है- **अर्निका मोंटाना**
- हवाई सफ़र में जी घबराना- **बेल्लाडोना**
- पेशाब में जलन होना और पेशाब करने में कठिनाई कहीं भी जलन का एहसास होना - **कैंथारिस**
- अचानक कमजोरी_-**कार्बो वेज**
- गर्भावस्था के समय में जी मचलना- **इपीकाकुन्हा**
- बार बार मुंह में छाले/आँव होना -**मर्क सोल**
- ऐलोपेथिक दवा और अल्कोहल के असर को काटना -**नक्स वोमिका**
- पेट का हर्निया- **नक्स वोमिका**
- *गले में कांटे जैसा महसूस होना -**हेपर सल्फ***
- *कपड़े उतारने से खुजली होना- **रुमेक्स***
- *कुछ गर्म पीने से खाँसी में आराम होना -**स्पोंजिया***

खुराक, अवधि और शक्ति –"कम से कम" ही "अधिक से अधिक" है

- एक दिन में, जीभ पर 3-4 बूंद या गोलियां, 3-4 बार पर्याप्त होती है । तीव्र समस्याओं में इन्हें जल्दी जल्दी लिया जा सकता है। मरीज के बेहतर होने के साथ साथ अवधी को कम कर देना चाहिए। आराम होने पर इन्हें बंद कर देना चाहिए । कृपया आदत न डालें । घोल, गोलियां, पाउडर सभी समान हैं ।

- पतले घोल 6, 12, 30 जल्दी लेकिन कम कम समय के लिए राहत देती है और घोल 200, 1000 धीरे लेकिन ज्यादा समय के लिए राहत देती है । एक अच्छा डॉक्टर, रोग की गहराई अनुसार, लंबे समय तक काम करने वाला ज्यादा पतले घोल की दवा और अवधि आधारित करता है। बच्चों को आम तौर पर 6,12 या 30 . की तरह कम घोल दिया जाता है

- मदर टिंचर (Q) को बार बार पतला कर कर के उच्च शक्ति बनती है। शक्ति 6, 12, 30, 200, 1000 (1M) आदि पतले घोल की डिग्री का माप है । अधिक संख्या का अर्थ है कि कई बार पतला होना उदा. 1000 का मतलब है कि मदर टिंचर को 1000 बार और पतला किया जाता है। होम्योपैथी में उच्च तनुकरण अर्थात कम दवा अधिक शक्तिशाली होती है।

- मुंह बासी (neutral) होना चाहिए जैसे सुबह बिना मुँह धोए और सोने के पहले । बासी मुंह सुनिश्चित करने के लिए किसी भी भोजन, पेय या अन्य सेवन के बीच कम से कम 20 मिनट का अंतर रखें । प्याज, लहसुन, कॉफी आदि से आमतौर पर परहेज किया जाता है क्योंकि इनका स्वाद जीभ पर काफी समय तक रहता है और इन हल्की दवाओं को काम नहीं करने देता।

- अल्कोहल पर आधारित दवाएं एक चम्मच पानी में भी ली जा सकती है और बच्चों या बुजुर्ग को ड्रॉपर द्वारा भी दी जा सकती है। अल्कोहल आधारित दवाओं की शेल्फ लाइफ भी बहुत लंबी होती है।

सिद्धार्थ - एक भारतीय कथा

हर्मन्न हेस द्वारा (1946 में साहित्य लिए नोबेल पुरस्कार विजेता)

आखिरी अध्याय "गोविंदा" के कुछ अंश

सिद्धार्थ ने कहा, "हां मुझे विचार आए हैं और यहां वहां ज्ञान भी मिला है। कभी-कभी, एक घंटे या एक दिन के लिए मुझे ज्ञान का बोध भी हुआ है, ठीक जैसे किसी को अपने हृदय में जीवन की अनुभूति होती है। मुझे बहुत विचार आते रहे हैं, लेकिन उनके बारे में तुम्हें बताना मेरे लिए कठिन होगा। लेकिन एक विचार जिसने मुझे प्रभावित किया है वह यह है **गोविंद "बुद्धिमत्ता पढ़ाई नहीं जा सकती जो बुद्धिमत्ता एक बुद्धिमान व्यक्ति पढ़ाने की कोशिश करता है वह हमेशा सुनने में मूर्खता जान पड़ती है"**

"क्या तुम मजाक कर रहे हो?" गोविंदा ने पूछा

"नहीं मैं तुम्हें बता रहा हूं जो मैंने खोजा है। विद्या बांटी जा सकती है लेकिन बुद्धिमत्ता नहीं। हम बुद्धिमत्ता को खोज सकते हैं, पा सकते हैं, उससे पुष्ट हो सकते हैं, उस के माध्यम से अद्भुत कार्य कर सकते हैं, लेकिन उसे बांट या सिखा नहीं सकते। मुझे यही अनुमान तब भी था जब मैं अभी युवक ही था और इसी ने मुझे गुरुओं से दूर भगा दिया था। एक खयाल मुझे रहा गोविंद जिसे तुम फिर ठिठोली या मूर्खता कहोगे वह यह कि हर सत्य में उसका उल्टा भी उतना ही सच होता है ! उदाहरण के लिए कोई सत्य शब्दों में तभी व्यक्त किया और घेरा जा सकता है अगर वह एक तरफा हो। हर बात जो शब्दों में सोची और व्यक्त की जाती है, वह एक एक पक्षीय है, केवल अर्धसत्य; उसमें संपूर्णता, पूर्णता, एकता का अभाव होता है। जब तथागत बुद्ध ने दुनिया के बारे में सिखाया था तब उन्हें उसको संसार और निर्वाण में, माया और सत्य में, दुख और मोक्ष में, बांटना पड़ा। इसके लिए दूसरा रास्ता नहीं है, जो शिक्षा देते हैं उनके लिए और कोई तरीका नहीं है। लेकिन खुद दुनिया, जो हमारे भीतर और चारों और है, कभी एक तरफा नहीं होती। कभी कोई आदमी या कर्म पूरी तरह सांसारिक या पूरी तरह अलौकिक नहीं होता; कोई भी आदमी पूरी तरह संत या पूरी तरह पापी नहीं होता। यह सिर्फ ऐसा लगता है, क्योंकि हम इस भ्रम से पीड़ित रहते हैं कि समय कोई ऐसी चीज है जो वास्तविक है। समय वास्तविक नहीं है , गोविंदा मुझे बार-बार इसका बोध हुआ है। और अगर समय वास्तविक नहीं है तो फिर इस दुनिया और अनंतता के बीच, दुख और आनंद के बीच, अच्छाई और बुराई के बीच जो विभाजक रेखा जान पड़ती है वह भी एक भ्रम है।"

"वह कैसे?" घबरा कर गोविंद ने पूछा।

"ठीक से सुनो ठीक से! मित्र मैं पापी हूं, तुम पापी हो, लेकिन एक दिन पापी फिर से ब्रह्म हो जाएगा, एक दिन निर्वाण प्राप्त कर लेगा, एक दिन बुध बन जाएगा। अब यह 'एक दिन' भ्रम है; यह केवल एक तुलना है। पापी बुध-सरीखी अवस्था की और नहीं अग्रसर है, वह विकसित नहीं हो रहा, हालांकि हमारी सोच चीजों का बोध दूसरी तरह नहीं कर सकती। नहीं, पापी में वह संभावित बुद्धत्व पहले ही से मौजूद है , उसका भविष्य पहले ही यहां है। उसके, तुम्हारे, हर एक के संभावित बुद्धत्व को पहचानना चाहिए। विश्व अपूर्ण नहीं है, मेरे दोस्त गोविंदा, ना हीं पूर्णता की और एक लंबे पथ पर अग्रसर है। नहीं, वह हर पल पूर्ण है; हर पाप पहले से ही अपने

भीतर दिव्य क्षमा लिए चल रहा होता है, सभी छोटे बच्चे संभावित वृद्ध हैं, सभी शिशुओं के भीतर मृत्यु मौजूद होती है, सभी मरने वालों के भीतर अनंत जीवन। किसी भी आदमी के लिए देखना संभव नहीं है कि दूसरा पथ पर कितना आगे है; चोर और जुआरी में भी बुद्धत्व इंतजार कर रहा है, ब्राह्मण में भी चोर इंतजार कर रहा है। **गहरी समाधि और ध्यान में समय को निरस्त करना संभव है, संभव है एक ही साथ सारे भूत, वर्तमान और भविष्य को देखना** और तब हर चीज अच्छी है, हर चीज पूर्ण है, हर चीज ब्रह्म है। इसलिए मुझे लगता है हर चीज जो मौजूद है वह अच्छी है-- मृत्यु भी जीवन के समान है, पाप भी पुण्य के समान है, बुद्धिमता भी मूर्खता के समान है, सब कुछ वैसा ही है जैसा होना चाहिए, हर चीज को सिर्फ मेरी सहमति, मेरी हामी, मेरी स्नेह भरी समझदारी की जरूरत है, फिर मेरे साथ सब ठीक है और कुछ भी मुझे नुकसान नहीं पहुंचा सकता। मैंने अपनी देह और आत्मा के माध्यम से सीखा कि मेरे लिए पाप करना जरूरी था, कि मुझे वासना की आवश्यकता थी, कि मुझे धनसंपदा के लिए प्रयास करना ही था और घमंड और हताशा की गहराइयों का अनुभव करना ही था, ताकि मैं उन का प्रतिरोध ना करना सीख सकूं, ताकि मैं दुनिया को प्यार करना सीख सकूं और उसकी तुलना आगे फिर किसी प्रकार की इच्छित काल्पनिक दुनिया से, पूर्णता की किसी काल्पनिक छवि से ना करूं, बल्कि वह जैसी है उसे वैसा छोड़ दूं, उसे प्यार करूं और उसका होने में खुशी महसूस करूं। यह है कुछ विचार, गोविंद, जो मेरे मन में है।"

" ईश्वर में विश्वास करो और निर्भय बनो,
निर्भय बनो और ईश्वर को जानो "

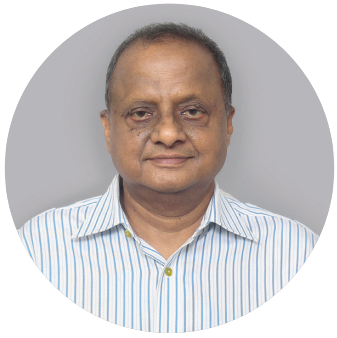

लेखक

लेखक, सीए रजनीश अगरवाल, 40 से अधिक वर्षों से चार्टर्ड एकाउंटेंट का पेशा कर रहे हैं। उन्होंने बी कॉम (ऑनर्स) में 1979 में सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता से कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। । वह कोलकाता के सेंट जेवियर्स कॉलेज में अवैतनिक (हॉनरेरी) प्रोफेसर थे और पेशेवर सेमिनारों में नियमित वक्ता रहे हैं। उन्होंने 1975 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में प्रवेश के लिए योग्यता प्राप्त की, लेकिन प्रवेश नहीं कर सके क्योंकि उनकी टांगों का घुमाव भारतीय वायु सेना के लिए उपयुक्त नहीं था। वह हमेशा प्रकृति, आधुनिक विज्ञान और विविध विषयों के बारे में उत्सुक रहे है।

वह बचपन से ही पुरानी सर्दी से पीड़ित थे और विभिन्न उपचार असफल रहे। अंतत: होम्योपैथी उनके बचाव में आई और उन्होंने इस विषय में गहरी दिलचस्पी लेनी शुरू कर दी। बाद में, इस शौक ने 2016 में उनके जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उन्हें होम्योपैथी द्वारा एक नया जीवन दिया गया। अब, उन्होंने होम्योपैथी के लाभों को सभी को उपलब्ध कराने के सपने के साथ एक फाउंडेशन की स्थापना की है।

होम्योपैथी में औषध निर्माण का मूल आधार प्राकृतिक वनस्पतियां जड़ी बूटियां और प्राकृतिक तत्व ही होते हैं कोई कृत्रिम रासायनिक पदार्थ नहीं होता है इसलिए होम्योपैथी बिना किसी दुष्प्रभाव सबसे सुरक्षित मानी जाती है। अतः शुभ संकल्प के साथ सभी होम्योपैथी प्रेमियों के कर कमलों में यह पुस्तिका अर्पित करते हुए उन्हें अति हर्ष हो रहा है। आशा ही नहीं उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यह छोटी सी पुस्तिका आप सभी को होम्योपैथी की महत्ता को समझने में सहायक होगी एवं अन्य उपचारों से होने वाले रसायनिक विष आपके परिसंचरण तंत्र को घातक रूप से प्रभावित ना कर सके ताकि आप स्वस्थ रहें, सुखी रहें, रोग मुक्त रहें एवं मंगलमय जीवन बिताएं यही उनकी मंगल कामना है।

उन्हें उम्मीद है कि इस प्रयास से बड़े पैमाने पर मानवता को फायदा होगा।

" ब्रह्मांड का प्रतिबिंब आत्मा है "

Illustrations

চিত্রণ

ইলাস্ট্রেশন

Homoeopathy Home Kit & Sources from Nature

होम्योपैथी होम किट और प्रकृति से स्रोत

হোমিওপ্যাথি হোম কিট এবং প্রকৃতি থেকে উৎস

Aconite Nap
एकोनाइट नैप
অ্যাকোনাইট ন্যাপ

Allium Cepa
एलियम सेपा
অ্যালিয়াম সেপা

Aloe Soc
एलो सोक
অ্যালো সোক

Apis Mel
एपिस मेल
এপিস মেল

Arnica Mont
अर्निका मोंटाना
আর্নিকা মন্টানা

White oxdide of Arsenic
आर्सेनिकम एल्बम
আর্সেনিক অ্যালবাম

Belladonna
बेल्लाडोना
বেলাডোনা

Bryonia
ब्रायोनिया
ব্রায়োনিয়া

Calendula
कैलेंडुला
ক্যালেন্ডুলা

Homoeopathy Home Kit & Sources from Nature

होम्योपैथी होम किट और प्रकृति से स्रोत

হোমিওপ্যাথি হোম কিট এবং প্রকৃতি থেকে উৎস

Cantharis
कैंथारिस
ক্যান্থারিস

Carbo veg
कार्बो वेज
কার্বো ভেজ

Chamomilla
कैमोमिला
ক্যামোমিলা

Gelsemium
जेलसेमियम
জেলসেমিয়াম

Hypericum
हाईपेरिकम
হাইপারিকাম

Ipecacuanha
इपीकाकुन्हा
ইপেকাকুয়ানহা

Kali Bichrom
काली बाइक्रोम
ক্যালি বাই ক্রোম

Merc Sol (Mercury)
मर्क सोल
মার্কসল

Nux Vomica
नक्स वोमिका
নাক্স ভমিকা

Homoeopathy Home Kit & Sources from Nature

होम्योपैथी होम किट और प्रकृति से स्रोत

হোমিওপ্যাথি হোম কিট এবং প্রকৃতি থেকে উৎস

Rhus Tox
रस टॉक्स
রস টকস

Robinia
रोबिनिया
রবিনিয়া

Ruta G
रूटा जी
রুতা জি

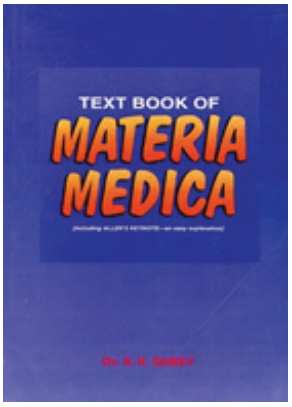

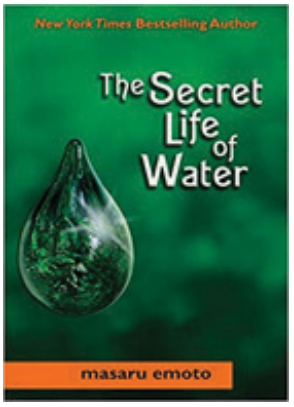

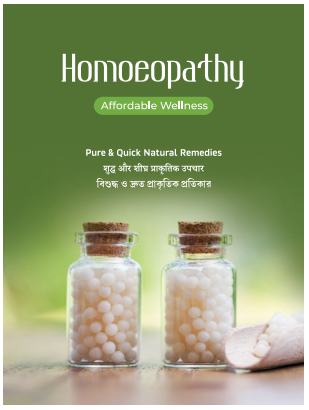

Homoeopathy Medicines manufacturing process at the factory of
M Bhattacharya & Co Pvt Ltd (Estb-1889)

एम भट्टाचार्य एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (स्था.-1889) के कारखाने में होम्योपैथी दवा निर्माण प्रक्रिया

এম ভট্টাচার্য অ্যান্ড কো প্রাইভেট লিমিটেড (Estb-1889) এর কারখানায় হোমিওপ্যাথি ওষুধ তৈরির প্রক্রিয়া

Storage of Raw Materials
कच्चे माल का भंडारण
কাঁচামালের স্টোরেজ

Sorting of Raw Materials
कच्चे माल की छँटाई
কাঁচামাল বাছাই

Dissolving & Stirring in Alcohol
ऐलकोहल में घुलना और हिलाना
দ্রবীভূত করা এবং অ্যালকোহলে আলোড়ন

Filtering of the Solution
समाधान को छानना
সমাধান ফিল্টারিং

Purification
शुद्धिकरण
শুদ্ধিকরণ

Medicine Mother Tinctures
मेडिसिन मदर टिंचर
মেডিসিন মাদার টিংচার

Storage of Medicines
दवाओं का भंडारण
ওষুধের স্টোরেজ

Final Packaging
अंतिम उत्पाद की पैकेजिंग
চূড়ান্ত পণ্য প্যাকেজিং

Our Team
हमारी टीम
আমাদের টিম

Fatal infection resistant to all antibiotics cured by Homoeopathy of CA-Rajneesh Agarwal

सभी एंटीबायोटिक दवाओं से प्रतिरोधी होने के बावजूद घातक संक्रमण होम्योपैथी द्वारा ठीक हो गया - सीए रजनीश अगरवाल

সমস্ত অ্যান্টিবায়োটিকের প্রতিরোধী হওয়া সত্ত্বেও, মারাত্মক সংক্রমণ হোমিওপ্যাথি দ্বারা নিরাময় - সিএ রজনীশ আগরওয়াল

Some Homoeopathic Miracle Cures by Our Expert

हमारे विशेषज्ञ द्वारा कुछ होम्योपैथिक चमत्कारी इलाज

আমাদের বিশেষজ্ঞ দ্বারা কিছু হোমিওপ্যাথিক অলৌকিক নিরাময়

Before **After**

Cellulitis
कोशिका
সেলুলাইটিস

Severe Burns
गंभीर जलना
গুরুতর পোড়া

Severe Burns
गंभीर जलना
গুরুতর পোড়া

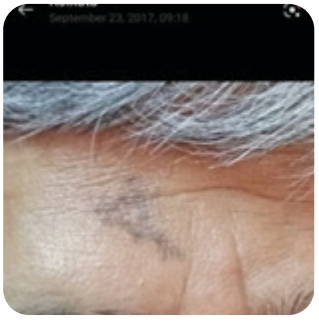

Lichen Planus
लाइकेन प्लानस
লাইকেন প্লানাস

Some Homoeopathic Miracle Cures by Our Expert

हमारे विशेषज्ञ द्वारा कुछ होम्योपैथिक चमत्कारी इलाज

আমাদের বিশেষজ্ঞ দ্বারা কিছু হোমিওপ্যাথিক অলৌকিক নিরাময়

Before	After	
		Severe Psoriasis गंभीर सोरायसिस গুরুতর সোরিয়াসিস
	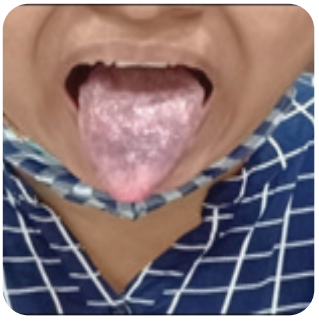	Lichen Planus- Oral Cavity लाइकेन प्लेनस-ओरल कैविटी লাইকেন প্ল্যানাস- ওরাল ক্যাভিটি
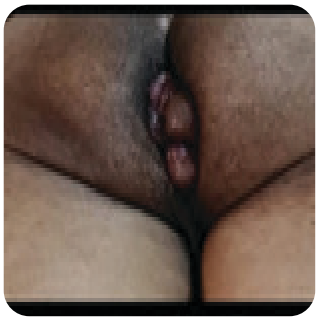	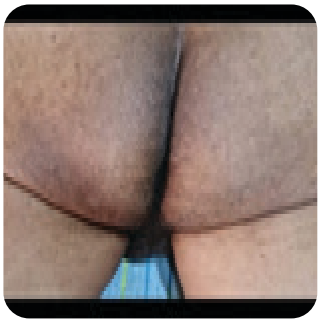	Severe prolapsed Hemorrhoids गंभीर प्रोलैप्सड बवासीर গুরুতর প্রল্যাপসড হেমোরয়েডস
		Improving Keloids केलोइड्स में सुधार কেলুইডস উন্নতি

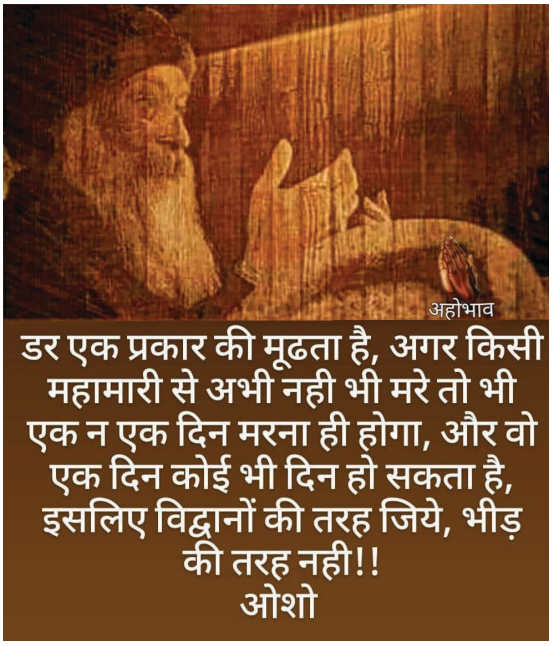

“ Health is not just about what you are eating'
it's also about what you are thinking and saying. ”

Looking forward to your valuable comments and suggestions.
आपकी बहुमूल्य टिप्पणियों और सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।
আপনার মূল্যবান মন্তব্য এবং পরামর্শের জন্য উন্মুখ।
rajneesh@racocal.com

Notes/ नोट्स /নোটস

arsenicum
album
30c
lycopodium
clavatum
30c
arnica
30c

Kewal Samarpan Foundation

(Spreading Happiness)

Health, Education and Spirituality

(Service to Humanity is Service to God)

53, Sardar Sankar Road, Kolkata - 700029
E-mail : rajneesh@racocal.com • Mobile : 9831314015
Website: www.kewalsamarpancom

Printed by : Impact | impact_graph@rediffmail.com